FD-203

M.A. 1st Semester
Examination, Dec.-Jan., 2021-22

HINDI

Paper - III

द्विवेदी युगीन एवं छायावाद काव्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) निरख सखी ये खंजन आए,
फेरे उन मेरे रंजन ने नयन इधर मन भाये।
फैला उनके तन का आतप मन से सर सरसाये,
घूमे वे इस ओर वहाँ, ये हंस यहाँ उड़ छाये।
करके ध्यान आज इस जन का निश्चय वे मुसकाये,
फूल उठे हैं कमल, अधर से ये बन्धूक सुहाये।

अथवा

एक तुम, यह विस्तृत भूखंड,

प्रकृति वैभव से भरा अमंद।

कर्म का भोग, भोग का कर्म,

यही जड़ का चेतन आनन्द।

अकेले तुम कैसे असहाय,

यजन कर सकते? तुच्छ विचार।

तपस्वी! आकर्षण से हीन,

कर सके नहीं आत्म-विस्तार।

(ख) है अमां निशा, उगलता गगन घन अन्धकार,

खो रहा दिशा का ज्ञान, स्तब्ध है पवन-चार,

अप्रतिहत गरज रहा पीछे अम्बुधि विशाल,

भूधर ज्यों ध्यान मग्न, केवल जलती मशाल।

स्थिर राघवेन्द्र को हिला रहा फिर-फिर संशय,

रह-रह उठता जग-जीवन में रावण-जय भय।

अथवा

धन्ये, मैं पिता निरर्थक था,

कुछ भी तेरे हित न कर सका!

जाना तो अर्थागमोपाय,

पर रहा सदा संकुचित-काय,

लखकर अनर्थ आर्थिक पथ पर,

हारता रहा मैं स्वार्थ-समर।

(ग) विस्तृत नभ का कोई कोना

मेरा न कभी अपना होना

परिचय इतना इतिहास यही

उमड़ी कल थी मिट आज चली,

मैं नीर भरी दु:ख की बदली!

अथवा

सीमा ही लघुता का बन्धन

है अनादि तू मत घड़ियाँ गिन

मैं दृग के अक्षय कोषों से-

तुझमें भरती हूँ आँसू जल!

सहज-सहज मेरे दीपक जल!

तुम असीम तेरा प्रकाश चिर,

खेलेंगे नव खेल निरन्तर,

तम के अणु-अणु में विद्युत-सा,

अमिट चित्र अंकित करता चल,

सरल-सरल मेरे दीपक जल!

2. 'साकेत' महाकाव्य के आधार पर उर्मिला के विरह वर्णन की विशेषताएं लिखिए। 10

अथवा

'कामायनी' के श्रद्धा सर्ग के आधार पर 'श्रद्धा' के सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।

3. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के काव्य की छायावादी काव्य दृष्टि से समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

'राम की शक्तिपूजा' के काव्य वैभव पर प्रकाश डालिए।

4. ''महादेवी वर्मा विरह, वेदना एवं करुणा की कवयित्री हैं।'' सिद्ध कीजिए। 10

अथवा

रुपक काव्य की दृष्टि से कामायनी की समीक्षा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(*i*) श्रीधर पाठक की काव्यगत विशेषताएं

(*ii*) सुमित्रानंदन पंत – सुकोमल कल्पना के कवि

(*iii*) जगन्नाथदास रत्नाकर का कृत्तित्व

(*iv*) मैथिलीशरण गुप्त की प्रमुख रचनाएं

(*v*) निराला और मुक्तछंद

(*vi*) मुकुटधर पाण्डेय का कृतित्व

(*vii*) हरिऔध का 'प्रियप्रवास'

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** अति लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(*i*) कामायनी के प्रथम सर्ग का नाम लिखिए।

(*ii*) राष्ट्र कवि की उपमा किसे दी गई है ?

(*iii*) 'आधुनिक युग की मीरा' किसे कहा जाता है ?

(*iv*) 'साकेत' में कितने सर्ग हैं ?

(*v*) 'सरोज स्मृति' में चित्रित 'सरोज' निराला की कौन हैं ?

(*vi*) जीवन का सर्वांगीण चित्रण किस काव्य प्रकार में किया जाता है ?

(*vii*) 'मनोविनोद' किसकी रचना है ?

(*viii*) 'वैदेही वनवास' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(*ix*) छत्तीसगढ़ के उस कवि का नाम लिखिए जिसे छायावाद का प्रवर्तक भी माना जाता है।

(*x*) 'उद्धवशतक' के लेखक कौन हैं ?

(*xi*) 'लोकायतन' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(*xii*) अरविंद दर्शन से प्रभावित कवि का नाम लिखिए।

———